सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका - अंक 8 जनवरी 2021

चयनित आदर्श गाँव

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

suryaadarshgaonyojna
suryafoundation1
sf10idealvillage
surya_foundation
suryafoundation
@suryafnd
www.suryafoundation.org

योग केन्द्र की शुरुआत : बसई, काशीपुर

योग सूत्र के निर्माता ऋषि पतंजलि ने तथा हमारे देश के अनेक महापुरुषों ने योग को जीवन में उतारा और देश का मान बढ़ाया। चाहे वे महर्षि दयानंद हो, स्वामी विवेकानन्द हो, महर्षि अरविंद हो या फिर भगवान श्री कृष्ण व श्रीराम हो। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है, इससे हमारी रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है। नियमित योगाभ्यास और प्राणायाम से जीवन के साथ-साथ मन की शक्ति बढ़ती है। तनाव से छुटकारा मिलता है। अनेक प्रकार के रोगों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

कोरोना से प्रभावित बसई गाँव के योग केन्द्र को पुनः शुरु किया गया है। योग शिक्षक रणधीर सिंह जी द्वारा प्रत्येक दिन गाँव के बच्चों और युवाओं को योगाभ्यास कराया जाता है। हमारे जीवन में योगासन व प्राणायाम क्यों उपयोगी है इसके बारे में भी बार-बार बताया जाता है।

योग से शरीर के साथ ही मन की शक्तियाँ भी बढ़ती हैं, चेहरे की सुंदरता बढ़ती है, शरीर स्वस्थ रहता है, मन में उत्साह व जोश बढ़ता है, साहस व बल बढ़ता है, खाया पिया अच्छी तरह से पचता है व शरीर को खूब शक्ति मिलती है।

प्रत्येक दिन विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया जाता है, जिसमें सूर्य नमस्कार, पीठ के बल करने वाले आसन, पेट के बल करने वाले आसन, खड़े होकर करने वाले आसन और बैठकर करने वाले आसन कराये जाते हैं।

अन्य कार्य

- प्रौढ़ शिक्षा के लिए महिलाओं का चयन।
- सेवाभावियों द्वारा ऑर्गेनिक पोषण वाटिका का निरीक्षण किया गया।
- माँ चामुण्डा देवी मंदिर परिसर की भैया-बहनों द्वारा सफाई की गई।
- पराक्रम दिवस पर सामूहिक कार्यक्रम।
- कबड्डी व सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता।
- 24 महिलाओं को सिलाई प्रमाण पत्र दिया।
- स्वयं सहायता समूह खोलने हेतु महिलाओं के साथ बैठक की गई।

गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन : फफूँडा, मेरठ

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत चयनित आदर्श गाँव फफूँडा में माताओं-बहनों को तीन दिवसीय गौ-उत्पाद प्रशिक्षण कराया गया। प्रशिक्षण में 30 माताओं, बहनों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान सभी को धूपबत्ती, साबुन, हवन के उपले, गोमूत्र / गोबर से निर्मित फिनायल और दंत मंजन बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षण 13 से 15 जनवरी तक आयोजित किया गया। गाय के उत्पादों के महत्व और स्वरोजगार से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण शिविर में अनिल जी (प्रांत संगठन मंत्री- सेवा भारती) विकास बढ़ाना जी (जिला मंत्री- युवा मोर्चा) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सूर्या फाउण्डेशन से संजय भैया के नेतृत्व में प्रशिक्षण कराया गया। ऐसे कई प्रशिक्षण आत्मनिर्भर भारत के अन्तर्गत कराए जा चुके हैं। इससे लोगों ने रोजगार की शुरुआत की है।

गौ-मूत्र से कैंसर को भी ठीक किया जा सकता है। प्रशिक्षण के उपरांत गाँव की ही माताओं-बहनों ने गाय के मूत्र से निर्मित हर्बल फिनायाल और धूपबत्ती बनाने का काम शुरू कर दिया है।

गाँव में गाय के गोबर से निर्मित हवन के कंडे का काम सेवाभावी सुरेन्द्र जी द्वारा पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है, उन्होंने इस प्रशिक्षण में सिखाई गई वस्तुओं को बनाकर मार्केट में बेचने की योजना बनाई है। आने वाले समय में यह अभियान गाँव में एक मिशाल कायम करेगा और गाँव को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभायेगा। गोमूत्र और गोबर के उत्पादों से गोपालन को बढ़ावा मिलेगा तथा दूध न देने वाली गौमाता भी रोजगार में सहायक होगी तथा कसाई के पास जाने से बच जायेगी।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर मासिक परीक्षा करायी गयी।
- सेवाभावी द्वारा पुस्तकालय मे 5 पुस्तकें दी गई।
- कोरोना वैक्सीन के लिए हुए सर्वे में आशा के साथ मिलकर सर्वे काराया गया।
- प्रतिदिन संघ प्रार्थना होने से 2 युवाओं को संघ प्रार्थना कण्ठस्थ हुई।
- हवन व हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का संकल्प : नगलावर, मथुरा

स्वामी विवेकानन्द आधुनिक भारत के एक महान चिंतक, महान देशभक्त, युवा सन्यासी, युवाओं के प्रेरणास्रोत और एक आदर्श व्यक्तित्व के धनी हैं। विवेकानन्द दो शब्दों को मिलाकर बना है **विवेक** + **आनंद**। विवेक का अर्थ होता है सही और गलत को जानने की बुद्धि और आनन्द का मतलब खुशी। स्वामी विवेकानन्द जी का जन्म 12 जनवरी 1863 ई. में कोलकाता के एक कायस्थ परिवार में हुआ। भारत और हिन्दुओं को जब निम्न दृष्टि से देखा जाता था ऐसी स्थिति में स्वामी जी 11 सितंबर 1883 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर प्रभावी भाषण देकर दुनिया में भारत के अध्यात्म का डंका बजाया। स्वामी विवेकानन्द जी ने युवाओं के लिए एक मंत्र कहा था– 'उठो जागो और तब तक रुको मत जब तक लक्ष्य प्राप्ति ना हो जाए।'

स्वामी जी के इन्हीं विचारों को फैलाने का काम गाँव–गाँव के युवाओं द्वारा संस्कार केन्द्र एवं यूथ क्लब के माध्यम से किया जा रहा है। 12 जनवरी 2021 स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर यूथ क्लब के युवाओं ने मिलकर गाँव के गरीब बच्चों को पढ़ाने हेतु एक सराहनीय कदम उठाया है। सभी युवाओं ने अपनी टीम और सेवाभवी समिति से धन संग्रह करके बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, कहानियों की किताबें वितरित किया। इससे गाँव का हर बच्चा शिक्षित होकर गाँव का नाम रोशन करेगा और अपने परिवार का भविष्य भी उज्जवल करेगा। युवाओं द्वारा किया गया यह पुण्य कार्य सराहनीय है इससे अन्य गाँवों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

अन्य कार्य

- बच्चों की मासिक परीक्षा कराई गयी।
- सामूहिक श्रमदान किया गया।
- बुजुर्गों को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा का लाभ दिलाया गया।
- गणतंत्र दिवस, मकर संक्रान्ति, विवेकानन्द, सुभाषचन्द्र बोस जयंती मनायी गयी।
- मंदिर में भजन–कीर्तन कार्यक्रम हुआ।
- नये स्वयं सहायता समूह के गठन हेतु माताओं के साथ बैठक हुई।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर : कादीपुर, वाराणसी

कादीपुर (काशी) के पंचायत भवन में स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर सूर्या फाउण्डेशन के तत्वाधान में पापुलर हॉस्पिटल, कृष्णा हॉस्पिटल एवं शिवाजी यूथ ब्रिगेड के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर कराया गया। स्वामी विवेकानन्द जी के विचार **नर सेवा नारायण सेवा** को ध्यान में रखते हुए संस्था के चेयरमैन पद्मश्री श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी की प्रेरणा से कैम्प का आयोजन किया गया है। कृष्णा हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर आशीष माथुर, पॉपुलर हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संजय जी द्वारा ग्रामीणों को अच्छे स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गयी। उन्होनें बताया कि इस समय सर्दी, खांसी, जुकाम जैसी बीमारियाँ सामान्य रूप से हो जाती हैं। इससे बचने के लिए हम सबको गर्म पानी का सेवन अधिक करना चाहिए।

शिविर में आँख, ब्लड प्रेशर, शुगर, खांसी, बुखार, जुकाम जैसी अनेक बीमारियों की जाँच की गयी। जरूरतमंद लोगों को चेकअप के बाद नि:शुल्क दवायें भी वितरित की गयी। इस शिविर के माध्यम से गाँव के 50 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। सभी ने इस कैम्प में लगी टीम और डॉक्टरों का धन्यवाद भी किया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

अन्य कार्य

- सिलाई केन्द्र की बहनों का BHU भ्रमण कार्यक्रम कराया गया।
- कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आस पास के 40 गाँवों के 500 युवाओं ने हिस्सा लिया।
- हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के लिए 20 बहनों का चयन किया गया।

BHU भ्रमण

पुस्तकालय की शुरुआत : नयागाँव, हरियाणा

भारत गाँवों में बसता है। समाज में शिक्षा का महत्त्वपूर्ण योगदान है। यदि शिक्षा ना हो तो ग्राम विकास भी संभव नहीं है। सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव नयागाँव में संस्था के प्रयास से सूर्या पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया है। पुस्तकालय में 40 पुस्तकें हैं। इन पुस्तकों में सामान्य ज्ञान की पुस्तक, महापुरुषों के बारे में जानकारियां आदि कई सारे विषय वस्तु से संबंधित पुस्तकें रखी गई हैं। पुस्तकालय इंचार्ज निर्मला देवी जी को बनाया गया है। हरियाणा के सहक्षेत्र प्रमुख शत्रुहन जी के द्वारा नयागाँव में इस पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया।

सहक्षेत्र प्रमुख शत्रुहन जी ने बताया कि पुस्तकालय होने से गाँव के युवा और बच्चों में ज्ञान बढ़ेगा और उन्हें अपने महापुरुषों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। पुस्तकालय इंचार्ज निर्मला देवी ने बताया कि पुस्तकालय का समय दोपहर 2:00 बजे से लेकर शाम के 4:00 बजे तक रहेगा इस समय में गाँव के युवा और बच्चे पुस्तकालय आकर किताबें पढ़ सकते हैं। और किताबों को रजिस्टर में एंट्री करवा कर घर भी ले जा सकते हैं। किताब पढ़कर 6-8 दिनों में वापस करना होगा।

ग्रामवासियों ने सूर्या फाउण्डेशन का धन्यवाद किया। जिससे कि उनके बच्चे प्रेरणादायी किताबें पढ़कर अपने समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

अन्य कार्य

- पशुओं के स्वास्थ्य के लिए गाँव में पशुटीकाकरण किया गया। जिसमें 126 पशुओं को टीका लगाया गया।
- संस्कार केन्द्र के भैया-बहनों को बड़ों के साथ अभिवादन करने का अभ्यास हुआ है।
- स्वयं सहायता समूह द्वारा मंदिर पर भजन कीर्तन कार्यक्रम किया गया।
- पांच महिलाओं नें धूपबत्ती बनाने का काम शुरू किया।

हम सब पढ़ें और एक साथ बढ़ें।
साक्षर परिवार, सुखी और खुशहाली से भरा परिवार।

सामाजिक सहयोग से कुएँ की मरम्मत : लोनाँव, गोरखपुर

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव लोनाँव में जन-सहयोग से गाँव के पुराने कुएँ पर सुरक्षा हेतु जाल लगाकर सुरक्षित किया गया। जैसा कि गाँव में भी अब पीने के लिए हैण्डपम्प का पानी उपयोग किया जाता है। जिसके फलस्वरूप लोगों का ध्यान कुओं से हटता जा रहा है और कुएँ खराब होते जा रहे हैं या मिट्टी भरकर खत्म किये जा रहे हैं। पहले कुएँ पानी पीने, खेतों की सिंचाई करने के उपयोग में लाये जाते थे।

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने मिलकर एक प्रस्ताव बनाया कि वर्तमान में कुएं का उपयोग तो नहीं है परंतु इनको सुरक्षित रखना चहिए। यह प्रस्ताव ग्राम विकास समिति की बैठक में रखा गया। गाँव के ही सेवाभावियों के सहयोग से धनराशि एकत्रित की गयी और युवाओं के सहयोग से गाँव के बीच स्थित कुएँ की मरम्मत की गयी।

उस कुएँ पर गाँव के लोग धार्मिक कार्य, पूजा, हवन आदि के लिए आते हैं। कुओं की मरम्म्त, साफ सफाई और रंगाई-पुताई से कुएँ का मैदान अच्छा दिखने लगा है। कुएँ के आस-पास के लोगों ने कुएँ को इसी तरह साफ सुथरा और सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया।

इसी प्रकार गाँव के दो और पुराने कुओं को सुरक्षित किया गया। इस कार्य की प्रशंसा सभी ग्रामवासी कर रहे हैं और इस कार्य में लगी टीम को बधाई भी दी।

अन्य कार्य

- स्कूल चलो अभियान चलाया गया।
- ठण्ड से बचाव के लिए संपर्क अभियान चलाया गया जिसमें गर्म पानी व गरारे के लिए बताया गया।
- केन्दों पर विवेकानन्द, सुभाषचन्द्र बोस जयंती कार्यक्रम मनाया गया।
- भव्य गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम किया गया।
- समूह के अध्यक्ष ने समूह से 85000 रु. लेकर एक एकड़ में सब्जी की खेती का रोजगार शुरु किया।

ग्राम संगठन का गठन : नांदियाकल्ला, जोधपुर

राजस्थान, जोधपुर जिले में आदर्श गाँव के लिए चयनित नांदियाकल्ला में पिछले वर्ष से चल रहे 10 स्वयं सहायता समूह का काम निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हो रहा है। सभी समूहों की नियमित बैठक और नियमित आर्थिक बचत को ध्यान में रखते हुए आपसी सहयोग भावना के साथ सभी समूहों के अध्यक्षों ने समूहों को आगे बढ़ाया है।

जनवरी माह में सभी समूह के सदस्यों के साथ बातचीत करके ग्राम संगठन का गठन किया गया है। जनवरी माह की बैठक में यह निश्चित किया गया कि प्रत्येक महीने 20 तारीख को ग्राम संगठन की बैठक होगी जिसमें सभी स्वयं सहायता समूह के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव की उपस्थिति अनिवार्य है। इस माह की बैठक में समूह में चल रहे कार्यों की जानकारी सभी समूह के अध्यक्षों द्वारा दी गई। ग्राम संगठन की मीटिंग में समूह से जुड़े जिले के अधिकारी उपस्थित रहे। महिलाओं को कौन कौन से रोजगार मिल सकते हैं इसके बारे में उन्होंने जानकारी दी।

सभी समूह के अध्यक्ष अपने अपने स्वयं सहायता समूह की साप्ताहिक बैठक में योजनाओं की विस्तार से चर्चा करते हैं। ग्राम संगठन के गठन से सरकारी योजनाओं का लाभ सरलता से मिलेगा और महिलाओं को अधिक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। ग्राम संगठन का गठन गाँव में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

अन्य कार्य

- एक तालाब की खुदाई शुरु की गयी।
- जिले के सी.ई.ओ. इंद्रजीत जी का स्वच्छता की बैठक में रहना हुआ।
- भजन-कीर्तन कार्यक्रम कराया गया।
- वॉलीबॉल प्रतियोगिता करायी गयी।
- सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र पर एक नई सिलाई मशीन सूर्या फाउण्डेशन द्वारा दी गई।

वन विहार कार्यक्रम : सलोई, विदिशा

गाँव सलोई मे संचालित सूर्या संस्कार केन्द्र के भैया बहनों व सूर्या यूथ क्लब के युवाओ का वन विहार कार्यक्रम किया गया। जिसमें गाँव के 40 भैया बहनों व युवाओं को 50 किमी. दूर स्थित प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर नीलकंठेश्वर धाम उदयपुर गाँव के 40 भैया बहनों व युवाओं को दर्शन हेतु भ्रमण कराया गया। यह कार्यक्रम सुबह 07 बजे से शाम 06 बजे तक रहा। सभी भैया-बहन अपने-अपने घरों से दोपहर का भोजन बनवाकर ले आए थे। निर्धारित की गयी दिनचर्या का पालन करते हुए सभी ने मंदिर के दर्शन किए और दोपहर में भोजन मंत्र के साथ सामूहिक भोजन किया गया।

नीलकंठेश्वर मंदिर के महंत पूज्यनीय महेश शर्मा जी महाराज ने मंदिर के इतिहास के बारे में बताया। सभी भैया-बहनों व युवाओं ने मंदिर परिसर में सामूहिक भजन किया और भारतीय खेलों का आनंद लिया।

मंदिर परिसर के आसपास स्थित मंदिर, गुफा व पहाड़ियों पर भ्रमण किया गया। बच्चों ने पहाड़ियों पर घूम कर ताजी हवा व सेल्फी का आनंद भी लिया। यह वन विहार कार्यक्रम हर वर्ष किया जाता है। वन विहार कार्यक्रम के बाद सभी भैया बहनों व युवाओं द्वारा अनुभव साझा किया गया।

अन्य कार्य

- एक दिवसीय परिचय वर्ग कराया गया जिसमें आसपास गाँव के 30 युवाओं ने भाग लिया।
- युवा दिवस कार्यक्रम में गाँव के 20 युवाओ नें सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।
- हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण में 22 महिलाओं को टेडी बियर, मिरर होल्डर, की-होल्डर आदि बनाना सिखाया गया।

मातृ सम्मेलन कार्यक्रम : मूण्डला, सीहोर

गाँव मूण्डला, जिला सीहोर मध्य प्रदेश में बच्चों व युवाओं में संस्कार के प्रति जागरूकता बढ़े इसके लिये मातृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी भैया-बहनों व युवाओं ने माताओं को चंदन लगाकर, दीप आरती की और श्रीफल (नारियल) भेंट किया। कार्यक्रम में 40 माताएं उपस्थित हुईं। माताओं ने भी बच्चों को तिलक लगाकर उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद प्रदान किया। गाँव में 06 माह के अंतराल में मातृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसमें बच्चों में हुए सुधार के बारे में चर्चा की जाती है।

भारतीय संस्कृति के अनुसार माता को देवी का रूप माना जाता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये माता ही सक्षम होती है। कार्यक्रम में सभी माताओ ने बच्चों की शिक्षा की समीक्षा की और मातृ शक्ति द्वारा संकल्प लिया गया कि बच्चों को साक्षर बनायेंगे। सभी बच्चों व युवाओं ने भी माता-पिता और गार्जियनों की सेवा करने का संकल्प लिया।

अन्य कार्य

- युवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गाँव के 26 युवाओं ने भाग लिया।
- गाँव में तैयार धूपबत्ती का उपयोग शुरु हुआ।
- सात लोगों द्वारा गोनायल (गोमूत्र द्वारा बना फिनायल) बनाकर आजीविका मिशन में दिया।
- 8 किसानों का कृषि सिंचाई अनुदान योजना में रजिस्ट्रेशन कराया गया।

गौशाला जीर्णोद्धार : पेण्ड्री, राजनांदगाँव

सूर्या फाउण्डेशन के नेतृत्व में गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ता समाज के लिए निरंतर आगे बढ़कर सहयोग कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत के अन्तर्गत संस्था द्वारा कई गाँव में गाय के गोबर और गौ-मूत्र से निर्मित होने वाली वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें फिनायल, दंत मंजन, साबुन धूपबत्ती आदि उत्पाद हैं। इन प्रशिक्षणों का ये भी उद्देश्य है कि कम से कम खर्च या बिना खर्च के घरेलू उपयोगी सामग्री बना सकें।

छत्तीसगढ़ के पेण्ड्री गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने एक अनोखी पहल की है। उन्होंने गाँव के आस-पास आवारा घूमने वाली गायों के रहने की व्यवस्था के साथ-साथ चारा-पानी की व्यवस्था भी की है। गाँव में ही पड़े पुराने, जर्जर गौशाला की मरम्मत और साफ-सफाई करके सुन्दर बनाया। इसमें सभी युवाओं और सेवाभावियों ने पूरा सहयोग किया। अब गायों द्वारा किसानों की फसलों का कोई भी नुकसान नहीं होता। इस कार्य से किसान भी काफी खुश हैं।

गायों के पानी की व्यवस्था हेतु पानी टंकी का निर्माण पंचायत के सहयोग से किया गया। आने वाले समय में इनके गोबर, गौ-मूत्र से बनने वाले उत्पादों का प्रशिक्षण कराकर रोजगार किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति प्रशिक्षण लेकर उत्पादों को बनाना सीख सकता है। इससे गौशाला में लगे कार्यकर्ताओं हेतु आर्थिक मदद मिलेगी और गायों के चारा पानी की व्यवस्था भी की जा सकेगी। इस कार्य में ग्राम पंचायत का भी पूरा सहयोग मिला।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर यूथ क्लब के भैया द्वारा गणित व अंग्रेजी की विशेष क्लास शुरू की गई।
- 120 पशुओं का पशुटीकाकरण कराया गया।
- मातृ सम्मेलन कार्यक्रम किया गया।
- युवाओं द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम किया गया।
- पोषण वाटिका बनाने वाले सर्वश्रेष्ठ तीन लोगों को सम्मानित किया गया।
- सिलाई केन्द्र पर पास के गाँव से तीन बहनों ने प्रशिक्षण लेना शुरू किया।
- पाँच बहनों ने सिलाई का काम शुरू किया।

सूर्या फाउंडेशन ने पराक्रम दिवस के रूप में मनाई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

न्यूज प्रिन्ट ब्यूरो

काशीपुर। आदर्श गांव बसई का मंझरा में सूर्या संस्कार यूथ एवं योग केंद्र पर पराक्रम दिवस के रूप में सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती को मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विकास विश्वकर्मा (आइडियल विलेज इंचार्ज), राजेंद्र हिंदुस्तानी (सेवा प्रमुख), रणधीर सिंह सैनी, हरीश कुमार (शिक्षक सूर्या संस्कार, यूथ, योगा, केंद्र), अतिथि के रुप में उपस्थित रहे।

इस दौरान राजेंद्र हिंदुस्तानी ने बताया कि भारत सरकार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती वर्ष को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है, जो 23 जनवरी, 2021 से शुरू होगा। कार्यक्रमों को तय करने और स्मरणोत्सव के निरीक्षण और मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। वहीं सुभाष चंद्र बोस जी के जीवन पर दृष्टि डालते हुए श्री विकास करवाने ने बताया कि पराक्रम दिवस नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म उड़ीसा के एक मध्यवर्गीय परिवार में 23 जनवरी 1897 में हुआ था। उनकी माता उन्हें 1857 के संग्राम तथा विवेकानंद जैसे महापुरुषों की कहानियां सुनाती थी जिससे सुभाष के मन में भी देश के लिए कुछ करने की भावना प्रबल हो उठी। सुभाष बाबू ने जो भी कार्यक्रम हाथ में लेना चाहा गांधीजी और नेहरू के गठ ने उनमें सहयोग नहीं दिया इससे खिन्न होकर सुभाष बाबू ने अध्यक्ष पद के साथ ही कांग्रेस भी छोड़ दी। फिर उन्होंने फारवर्ड ब्लाक की स्थापना की कुछ ही समय में कांग्रेस की चमक इसके आगे फीकी पड़ गई। उन्होंने आजाद हिंद फौज के सेनापति पद से जय हिंद चलो दिल्ली तथा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया, पर दुर्भाग्य से उनका यह प्रयास सफल नहीं हो पाया। सुभाष बाबू का अंत कैसे, कब और कहां हुआ, यह रहस्य ही है कहां जाता है कि 18 अगस्त 1945 को जापान में हुई एक विमान दुर्घटना में उनका देहांत हो गया। इस दौरान संस्कार केंद्र यूथ क्लब केंद्र के सभी भैया बहन उपस्थित रहे।

विवेकानंद जयंती पर हेल्थ कैंप का आयोजन

वाराणसी (काशीवार्ता)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आदर्श गांव कादीपुर में मंगलवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन पॉपुलर हॉस्पिटल, कृष्णा हॉस्पिटल व शिवाजी यूथ ब्रिगेड के सहयोग से आयोजित किया गया। सूर्या फाउंडेशन के काशी क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मान शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के नर सेवा नारायण सेवा को ध्यान में रखते संस्था के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल की प्रेरणा कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृष्णा हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.आशीष माथुर व पॉपुलर हॉस्पिटल के डॉ.संजय वर्मा, डॉ.सुमित पटेल डॉ.रश्मि राय, डॉ.कुसुम सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौ सेवा विभाग के प्रांत प्रमुख अरविंद सिंह, कथावाचक महेंद्र उपाध्याय द्वारा किया गया। हेल्थ कैम्प में लगभग 50 से अधिक महिला पुरुष तथा बच्चों की जाँच की गई। इस दौरान रामविलास बिंद, सुरेंद्र बिंद, दीपचंद बिंद , भरत शाह, सुंदर बिंद व रीमा बिंद, सुशीला पटेल, माधुरी सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

तीन दिवसीय गो उत्पाद प्रशिक्षण का समापन

संचित अरोड़ा

मेरठ (विधान केसरी)। सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित आदर्श गांव फफूंडा में महिलाओं को तीन दिवसीय गो उत्पाद प्रशिक्षण कराया गया। प्रशिक्षण में 30 महिलाओं की उपस्थित रही।

प्रशिक्षण के दौरान धूपबत्ती, साबुन, हवन में उपयोग आने वाले उपले, गोमूत्र से निर्मित फिनायल, दंतमंजन बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षण 13 से 15 जनवरी तक आयोजित किया गया। जिसका समापन शुक्रवार को हुआ। समापन सत्र में चयनित आदर्श गांव प्रमुख विकास विश्वकर्मा ने गाय के उत्पादों के महत्व और स्वरोजगार से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में अनिल प्रांत संगठन मंत्री सेवा भारती, विकास बढ़ाना भाजपा जिला मंत्री युवा मोर्चा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सूर्या फाउंडेशन से मास्टर ट्रेनर संजय तिवारी, मेरठ क्षेत्र प्रमुख अजीत व अभिषेक उपस्थित रहें।

पांच वस्तुओं को बनाना सिखाया। प्रशिक्षण आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत कराए जा रहे हैं। जिससे गांव आत्मनिर्भर बने लोगों को रोजगार मिले महिलाओं का सशक्तिकरण हो। ट्रेनर संजय ने गाय के गोबर, गोमूत्र आदि से बनने वाली पांच वस्तुओं को बनाना सिखाया। सभी गो उत्पादों को पवित्र माना जाता है। गोमूत्र से कैंसर को भी ठीक किया जा सकता है। गो उत्पाद बनाने की विधि का पत्रक भी दिया गया, जिसमें सिखाई गई वस्तुओं का विस्तृत लेख उपलब्ध हैं। इस मौके पर सूर्या यूथ क्लब के शिक्षक सचिन व सिलाई केंद्र शिक्षिका रेखादेवी, कृष्ण स्वयं सहायता समूह की अध्यक्षा सुनीता देवी व कोषाध्यक्ष कृष्णा देवी उपस्थित रहीं।

तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रतियोगिता का समापन

बहादुरगढ़(राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का समापन हो गया। देशभर के 10 हजार विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। इसके तहत भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी के साथ-साथ बनो विवेकानंद का भी आयोजन किया गया। जिसमें विवेकानंद की वेशभूषा पहनकर उनके शक्तिदाई और प्रेरक विचार विद्यार्थियों द्वारा बोले गए, चित्रकला में विद्यार्थियों द्वारा स्वामी जी की जीवन प्रसंग का चित्र बनाए गए, भाषण प्रतियोगिता में भी लोगों ने बढ़.चढ़कर भाग लिया। स्वामी जी के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाएगी। इसमें सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इस मौके पर नया गांव में बच्चों द्वारा स्वामी विवेकानंद बनकर गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। साखोल में उनके जीवन पर संभाषण कराए गए। जाखोदा में वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। प्रकाश नगर में दौड़ प्रतियोगिता कराए गए।